

শ্রীঃ
শ্রীমতে নিগমান্তমহাদেশিকায় নমঃ
শ্রীমান্ বেক্টনাথার্যঃ করিতাকিঁককেসরী।
বেদান্তাচার্যরর্যো মে সন্নিধত্তাং সদা হৃদি ॥

শ্রী মেল্পপত্তূর্ নারায়ণভট্টতিরি ঝিরচিতম্
॥শ্রীমন্নারায়ণীয়ম্ ॥

দশক - ১৯

This document has been prepared by*
Sunder Kidambi
with the blessings of
শ্রী রঙ্গরামানুজ মহাদেশিকন্
His Holiness śrīmad āṇḍavan of śrīraṅgam

*This was typeset using Bengali for T_EX.

श्रीः
श्रीमते कृष्णाय परब्रह्मणे नमः
श्रीमते रामानुजाय नमः

॥ श्रीमन्नारायणीयम् ॥

दशक - १९

प्राचेतसकथानुर्गनम्

पृथोस्तु नष्टा पृथुधर्मकर्मठः
प्राचीनवर्हिषुरतो शतद्रुतो ।
प्राचेतसो नाम सूचेतसससुता-
नजीजनत् स्वतकरुणाङ्कुरानि ॥ १ ॥

पितुः सिस्फानिरतस्य शासनात्
भरतुपस्याभिरता दशापि ते ।
पयोनिधिं पश्चिममेतत् तनुटे
सरोररं सन्ददुश्मनोहरम् ॥ २ ॥

तदा भरतीथमिदं समागतो
भरो भरतसेरकदर्शनादृतः ।
प्रकाशमासाद्य पुरः प्राचेतसाम्
उपादिशत् भक्तमस्तुरसुरम् ॥ ३ ॥

सुरं जपस्तुममी जलान्तरे
भरतुमासेरिषतायुतं समाः ।
भरतसुखास्वादरसादमीषरियान्
बभूव कालो ध्रुवरत्न शीघ्रता ॥ ४ ॥

तपोतिरेषामतिमात्ररधिभिः
स यज्जहिंसानिरतोपि पारितः ।
पितापि तेषां गृह्यातनारद-
प्रदर्शितात्मा भरदात्तां यथौ ॥ ५ ॥

কৃপাবলেনৈর পুরঃ প্রচেতসাং
 প্রকাশমাগাঃ পতগেন্দ্রবাহনঃ।
 ঝিরাজি চক্রাদিরায়ুধাংশুভিঃ
 ভূজাভিরষ্টাভিরুদথিঃতদ্যুতিঃ ॥ ৬ ॥

প্রচেতসাং তারদযাচতামপি
 ত্বমের কারুণ্যভরাদ্বরানদাঃ।
 ভরদ্বিচিস্তাপি শিৰায় দেহিনাং
 ভরত্বসৌ রুদ্রনুতিশ্চ কামদা ॥ ৭ ॥

অরাপ্য কান্তাং তনযাং মহীরুহাং
 তযা রমধরং দশলক্ষরতসরীম্।
 সুতোস্তু দক্ষো ননু ততক্ষণাচ্চ মাং
 প্রযাস্যথেতি ন্যগদো মুদৈর তন্ ॥ ৮ ॥

ততশ্চ তে ভূতলরোধিনস্তরুন
 ত্রুধা দহন্তো দুহিণেন বারিতাঃ।
 দ্রুমৈশ্চ দত্তাং তনযামরাপ্য তাং
 ত্বদুক্তকালং সুখিনোভিরেমিরে ॥ ৯ ॥

অরাপ্য দক্ষং চ সুতং কৃতাধররাঃ
 প্রচেতসো নারদলক্ষ্যা ধিয়া।
 অরাপুরানন্দপদং তথারিধ-
 স্তরমীশ বাতালযনাথ পাহি মাম্ ॥ ১০ ॥
